

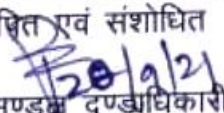
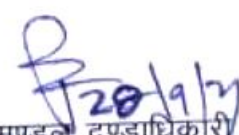
न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बरही, हजारीबाग।

3

वाद सं०-97/2021

धारा-144 दं०प्र०सं०

घमण्डु महतो -बनाम- चेतलाल महतो

तारीख	-आदेश-	अभियुक्ति
	<p>आवेदक कि ओर से विज्ञ अधिवक्ता के माध्यम दं०प्र०सं० कि धारा 144 के तहत कार्यवाही प्रारंभ करने हेतु वकालतनामा के साथ आवेदन दाखिल किया। आवेदन के अवलोकन के पश्चात संतुष्ट होकर उभय पक्षों के विरुद्ध मौजा धरहरा थाना बरकट्टा जिला हजारीबाग के अन्तर्गत खाता सं० 34, प्लॉट सं० 399 रकबा 70 डी० मधे रकबा 12 डी० भूमि जिसका चौहदी उ०- अरुण प्रसाद, द०- चेतलाल महतो पू०- रामेश्वर महतो प०- रोड एवं खाता सं० 34, प्लॉट सं० 399 रकबा 10 डी० भूमि जिसका चौहदी उ०- तालमणी प्रसाद, द०- बालगोविन्द प्रसाद, पू०- रोड, प०- शिवलाल महतो वाली भूमि पर धारा-144 दं०प्र०सं० के तहत कार्यवाही प्रारंभ करते हुए उभय पक्षों को नोटिस निर्गत कर भूमि संबंधी कागजात एवं कारणपृच्छा की मांग की गयी।</p> <p>आवेदक अपने आवेदन पत्र में लिखित बयान दिया है कि विवादित भूमि खाता सं० 34, प्लॉट सं० 399 रकबा 70 डी० मधे 0.23.33 डी० करके प्रत्येक भाई का हिस्सा हुआ जिस पर सभी भाई अपने अपने हिस्से कि जमीन पर शांति पूर्वक जोत कोड करते आ रहे हैं। मौजा धरहरा खाता सं० 34 प्लॉट न० 399 वाली जमीन सर्व खतियान में धनी राम सूण्डी वो पेमा सूण्डी के नाम से दर्ज है, पेमा सूण्डी के एकमात्र पुत्र जानकी महतो दखलकार हुए एवं जानकी महतो के मृत्यु के बाद उनके तीन पुत्र 1. झलु महतो 2. पुहप महतो 3. तुलसी महतो हुए। झलु महतो के एकमात्र पुत्र घमण्डु महतो हुए। पुस्तैनी धरैलु बंटवारा पर प्रथम पक्ष अपने हिस्से पर दखलकार है जिसे विपक्षी बेदखल कर इनके खतियानी जमीन को हड़पने के उददेश्य से बाजबरदस्ती जे०सी०बी० मसीन से ट्रेंच खोदने पर उतारू है।</p> <p>द्वितीय पक्ष द्वारा न्यायालय में उपस्थित होकर अपना कारणपृच्छा स्वयं दाखिल किया जिसमें उल्लेख किया है कि खाता सं० 34, प्लॉट सं० 399 रकबा 70 डी० मधे रकबा 0.22 ए० भूमि जो आवेदक के प्रथम पक्ष के पूर्वज तुलसी महतो, पुहप महतो पिता स्व० जानकी महतो अपने घराय बंटवारा कर मसोमात बिशुनी पति स्व० रजबली मियां साकिन धरहरा थाना बरकट्टा के पास सन 1978 में ही केवाला द्वारा बिक्रय कर चूके है बिशुनी के मृत्यु के उपरांत उनके उत्तराधिकारी पुत्र वगै० करीब 12 वर्ष पूर्व कुल रकबा 0.70 एकड़ अपने माता द्वारा खरीदगी भूमि का केवाला द्वारा बिक्रय कर चूके है।</p> <p>उभय पक्षों को प्रश्नगत भूमि से संबंधित मूल दस्तावेज के साथ न्यायालय में उपस्थित होने का निदेश दिया गया, जिसमें प्रथम पक्ष अपने मूल खतियान के साथ उपस्थित हुए तथा द्वितीय पक्ष ना तो खुद उपस्थित हुए ना ही इनके द्वारा किसी प्रकार का दस्तावेज दिखाया गया। अभिलेख में दाखिल कारणपृच्छा, दाखिल दस्तावेज एवं विद्वान अधिवक्ताओं के दलील के आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि उभय पक्षों के पास प्रश्नगत भूमि के स्वत्व से संबंधित अलग-अलग दस्तावेज है एवं इन्हीं अलग-अलग दस्तावेजों के आधार पर अपने स्वत्व एवं दखल कब्जा का दावा करते हैं। उभय पक्षों का वाद अपने स्वत्व के आलोक में प्रश्नगत भूमि पर दखल कब्जा पाने का है, जिसका निवारण दं०प्र०सं०-144 अन्तर्गत नहीं किया जा सकता है। अतः उभय पक्षों को शांति व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश के साथ वाद की कार्यवाही बिना किसी बाध्यकारी आदेश के समाप्त की जाती है। उभय पक्ष अपने स्वत्व के आलोक में दखल कब्जा प्राप्त करने हेतु सक्षम न्यायालय, व्यवहार न्यायालय में जा सकते है।</p> <p>लेखापति एवं संशोधित  अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बरही, हजारीबाग</p> <p> अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बरही, हजारीबाग</p> <p style="text-align: right; color: red;">C.C. 2021</p>	